जैव विविधता नीति, 2023

1. प्रस्तावना

1.1. एक संगठन के रूप में एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा अपने व्यवसाय संचालन के माध्यम से पर्यावरण और समाज पर समान महत्व देते हुए सतत् विकास की धारणा को अंगीकार किया गया है। पर्यावरण का संरक्षण करना कंपनी के मूल उद्देश्यों में से एक है।

1.2. एनएचपीसी की जैव विविधता नीति का उद्देश्य, व्यवसाय संचालन में पर्यावरणीय नैतिकता को सम्बल प्रदान करते हुए पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता पर संभावित प्रभावों को सीमित करना है।

1.3. **नीति वृतांत**

"एनएचपीसी लिमिटेड अपनी सभी परियोजनाओं, पावर स्टेशनों और प्रतिष्ठानों के आस-पास जैव विविधता के संरक्षण हेतु पर्यावरण सुरक्षा उपायों, प्रथाओं और विचारों का अनुपालन करते हुए स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने का कार्य करती है।"

2. परिचय

2.1. पारिस्थितिकी तंत्र में मौजूद प्रजातियों की उत्तरजीविता एवं संचरण, दुनिया के किसी भी हिस्से में जैव विविधता प्रबंधन के आधारशिलाओं में से एक होता है।

2.2. एक पारिस्थितिकी तंत्र की साकल्यता को बनाए रखने में पर्यावास संरक्षण करना पूर्वाकांक्षित होता है।

2.3. विकासात्मक गतिविधियाँ संभावित रूप से पर्यावास और आस-पास क्षेत्र की जैव विविधता को प्रभावित कर सकती हैं।

2.4. जैव विविधता नीति, 2023, एनएचपीसी की कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति, 2022 का आयाम है, जो पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने और संगठन, लोगों तथा धरातल के सतत् विकास में योगदान देने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता पर पुनः जोर देती है।

3. उपादेयता

3.1. यह नीति एनएचपीसी की सभी परियोजनाओं, पावर स्टेशनों और प्रतिष्ठानों पर लागू होगी।

4. उद्देश्य

यह नीति निम्नलिखित उद्देश्यों पर आधारित है:

4.1. परियोजना के अन्वेषण, योजना, निर्माण और पश्चात के क्रमिक चरणों के दौरान अपनी सभी रणनीतिक व्यावसायिक विकास गतिविधियों में सर्वोत्तम जैव विविधता प्रबंधन प्रणालियों को अपनाकर, जैव विविधता के संरक्षण पर विशेष महत्व देना।

4.2. जैव विविधता संरक्षण और प्रबंधन पर उचित विचार करते हुए पर्यावरण, वन और वन्यजीव से संबंधित सभी प्रासंगिक अधिनियमों/ दिशानिर्देशों/ नीतियों का दृढ़ता से अनुपालन करना।

4.3. परियोजना निर्माण गतिविधियों के कारण जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए सर्वोत्तम आधुनिक प्रणालियों को अपनाना।

4.4. कंपनी में जैव विविधता संरक्षण के उपाय, सिर्फ नियामक अनुपालन तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि क्षेत्र की जैव विविधता में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयासों की ओर भी उन्मुख रहना।

5. संगठनात्मक ढांचा

यह नीति, कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति, 2022 के अनुरूप, अपने संगठनात्मक ढांचे में तीन स्तरीय संरचनाओं के लिए निर्धारित है:

5.1. **कॉर्पोरेट स्तर :** जैव विविधता संरक्षण में योजना तैयार करना, निगरानी करना और सहायता प्रदान करना; केंद्र सरकार की एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करना और जहाँ भी आवश्यक हो, वहाँ संशोधन के लिए सुधारात्मक उपायों का सुझाव देना।

5.2. **क्षेत्रीय स्तर :** जैव विविधता संरक्षण उपायों का अनुपालन और निगरानी करना।

5.3. **परियोजना स्तर :** पर्यावरण, वन और वन्यजीव पहलुओं से संबंधित आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करना; विनियामक और स्वैच्छिक जैव विविधता संरक्षण उपाय करने के लिए हितधारकों और निगम मुख्यालय के साथ समन्वय स्थापित करना; उचित दस्तावेजी रिकॉर्ड, फोटोग्राफ, वीडियो ग्राफ इत्यादि उपलब्ध रखना/ कराना।

6. हमारी नीति

6.1. सभी व्यावसायिक विकास और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में आवश्यक महत्व देते हुए जैव विविधता संरक्षण को सक्रिय रूप से शामिल किया जाएगा।

6.2. अपने व्यवसाय संचालन एवं आस-पास क्षेत्र की स्वदेशी एवं स्थानीय प्रजातियों की वनस्पतियों और जीवों के रक्षा पर विशेष महत्व देते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक पहल किए जायेंगे।

6.3. अपने व्यवसाय संचालन क्षेत्र में पर्यावरणीय प्रभावों की पहचान कर, उन्हें कमतर करने का हरसंभव प्रयास किया जायेगा, ताकि क्षेत्र में जैव विविधता को पुनः समृद्ध बनाया जा सके।

6.4. अपने व्यवसाय संचालन के आस-पास स्थित महत्वपूर्ण पर्यावासों पर नकारात्मक प्रभाव को नगण्य रखने पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

6.5. जब भी आवश्यक हो, जैव विविधता संरक्षण पहलों के लिए उपयुक्त बजटीय प्रावधान रखे जायेंगे।

6.6. परियोजनाओं/ पावर स्टेशनों को पर्यावरण संरक्षण के व्यापक हित में संचालन के अपने सभी वर्तमान और संभावित क्षेत्रों में वैधानिक आवश्यकता और दायित्व से परे स्वैच्छिक संरक्षण पहल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

6.7. वनस्पति आवरण को बढ़ाने एवं मृदा अपरदन पर नियंत्रण हेतु जलविद्युत परियोजनाओं की महत्वपूर्ण पर्यावरण प्रबंधन योजनाएँ जैसे: प्रतिपूरक वनीकरण, जलाशय परिधि उपचार और जलग्रहण क्षेत्र उपचार कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए परियोजनाओं/ पावर स्टेशनों द्वारा राज्य सरकार के वन विभाग के साथ संपर्क स्थापित किया जायेगा।

6.8. पर्यावरण प्रबंधन योजनाओं/ स्वीकृतियों / अनुमोदनों में निर्धारित अन्य जैव विविधता संरक्षण उपायों को यथार्थ भावना के साथ लागू किया जाएगा।

6.9. वृक्षारोपण गतिविधियों में स्वदेशी प्रजातियों के पौधों के चयन पर विशेष महत्व दिया जायेगा।

6.10. परियोजना क्षेत्र में जैव विविधता बढ़ाने के लिए राज्य वन विभाग और अन्य विशेषज्ञ संगठनों के परामर्श से मलबे के डंपिंग स्थलों और अन्य उत्खनन स्थलों पर स्थानीय/ स्वदेशी प्रजातियों के पेड़ों, झाड़ियों और जड़ी-बूटियों वाले पौधे लगाए जायेंगे।

6.11. अपने व्यवसाय संचालन क्षेत्र की महत्वपूर्ण वनस्पत्तियों, जीव-जंतुओं और दुर्लभ लुप्तप्राय संकटग्रस्त (आरईटी) प्रजातियों के पुनर्वास और संचरण के लिए इन-सीटू संरक्षण रणनीतियों के अंतर्गत पार्क (जैसे हर्बल पार्क, बटरफ्लाई पार्क आदि), उद्यान, नर्सरी, ऑर्किडेरियम, आर्बोरिटम, बम्बुसेटम, प्रजनन केंद्र, हैचरी इत्यादि विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

6.12. जलीय जीव-जंतुओं के निर्वाह के लिए नियमों/ दिशानिर्देशों के अनुसार पर्यावरण प्रवाह को बनाए रखने के साथ-साथ मत्स्य प्रबंधन के समुचित उपाय किए जाएंगे।

6.13. स्थानीय वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की प्रजातियों को नया पर्यावास प्रदान करने के लिए परियोजना क्षेत्र के चारों ओर फलदार पेड़ों एवं खाद्य पौधों के साथ हरित पट्टी विकसित किए जायेंगे।

6.14. दवाई/ चारे और अन्य उद्देश्यों में स्थानीय वनस्पत्ति प्रजातियों के उपयोग पर पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने के लिए स्थानीय समुदायों की मदद करने के हरसंभव प्रयास किए जायेंगे।

6.15. परियोजना संचालन के व्यावसायिक क्षेत्र में और उसके आस-पास, महत्वपूर्ण संरक्षण पहलों के लिए हितधारकों, विशेषकर राज्य सरकार के विभागों के साथ मिलकर कार्य किए जायेंगे।

6.16. परियोजना संचालन के सभी क्षेत्रों में विश्व पर्यावरण दिवस, वन महोत्सव या निर्देशानुसार महत्वपूर्ण विशेष अवसर पर स्वैच्छिक वृक्षारोपण और अन्य गतिविधियां क्रियान्वित किए जायेंगे।

7. मूल्यांकन और आंकलन

7.1. जैव विविधता नीति के तहत की जाने वाली गतिविधियों का मूल्यांकन, कॉर्पोरेट पर्यावरण नीति, 2022 के ढांचे के अनुरूप किया जाएगा।

8. हितधारकों के लिए संचार सुविधा

8.1. जैव विविधता नीति पत्रक, 'अनुलग्नक-I' के रूप में संलग्न है।

8.2. जैव विविधता नीति पत्रक को, एनएचपीसी की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जायेगा।

8.3. एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा संरचित तरीके से अपनी जैव विविधता नीति के अनुपालन के विषय में, अपने सभी हितधारकों तक सूचना को संप्रेषित किया जाएगा।

8.4. एक सूचीबद्ध कंपनी होने के नाते, एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा संस्थागत निवेशकों/ विक्रेताओं/ उधारदाताओं आदि के विचारों पर भी उचित ध्यान दिया जायेगा।

9. जागरूकता और सामर्थ्य संवर्धन कार्यक्रम

9.1. विश्व पर्यावरण दिवस के उत्सव, वन महोत्सव और पर्यावरण जागरूकता के लिए किसी भी अन्य स्थानीय कार्यक्रम में जैव विविधता संरक्षण और प्रबंधन के विषयों को भी शामिल किये जायेंगे।

9.2. कर्मचारियों और अन्य हितधारकों को शामिल करते हुए समय-समय पर विभिन्न जैव विविधता संरक्षण मुद्दों पर सामर्थ्य संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।

10. सहायक कंपनियों द्वारा अनुपालन

10.1. एनएचपीसी लिमिटेड के सभी संयुक्त उद्यम, सहायक कंपनियों और पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनियों को उनकी उपयुक्तता के अनुसार इस नीति को अपनाने हेतु सूचित किया जायेगा।

11. उत्तरदायित्व

11.1. प्राधिकृत नोडल विभाग यानी 'पर्यावरण एवं विविधता प्रबंधन विभाग' द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा कि यह नीति कंपनी में सर्वत्र लागू की जाये।

11.2. परियोजनाओं/ पावर स्टेशनों/ क्षेत्रीय कार्यालयों में उनके संबंधित प्रमुखों द्वारा और कॉर्पोरेट स्तर पर संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा इस नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

12. जैव विविधता नीति की समीक्षा

12.1. भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप, उपयुक्त संशोधन करने के उद्देश्य से, प्रत्येक पांच वर्ष में इस नीति की समीक्षा की जाएगी। हालांकि, पर्यावरणीय परिदृश्य में किसी भी बड़े बदलाव को ध्यान में रखते हुए, इसकी प्रयोज्यता और प्रासंगिकता के अनुरूप इस नीति की समीक्षा पहले भी की जा सकती है।

यह नीति, दिनांक 28.03.2023 से लागू होती है।

****

जैव विविधता नीति पत्रक

हमारा लक्ष्य

- सक्षम, जिम्मेदार और अभिनव मान्यताओं के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा के सतत् विकास के लिए जैव विविधता संबंधी प्रयोजनों पर ध्यान आकर्षित करना।
- सभी रणनीतिक व्यावसायिक विकास गतिविधियों में सर्वोत्तम प्रबंधन प्रणालियों को अपनाकर, जैव विविधता के संरक्षण पर विशेष महत्व देना।

हमारी प्रतिबद्धताएँ

- सभी व्यावसायिक विकास और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में आवश्यक महत्व देते हुए जैव विविधता संरक्षण को सक्रिय रूप से शामिल करना।
- स्वदेशी प्रजातियों की वनस्पतियों और जीवों के संरक्षण पर विशेष महत्व देते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक पहल करना।

हमारे प्रयास

- परियोजना संचालन के क्षेत्र में और उसके आस-पास, महत्वपूर्ण संरक्षण पहलों के लिए हितधारकों, विशेषकर राज्य सरकार के विभागों के साथ मिलकर कार्य करना।
- परियोजनाओं/ पावर स्टेशनों को पर्यावरण संरक्षण के व्यापक हित में संचालन के अपने सभी वर्तमान और संभावित क्षेत्रों में वैधानिक आवश्यकता और दायित्व से परे स्वैच्छिक संरक्षण पहल करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- अपने व्यवसाय संचालन के आस-पास स्थित महत्वपूर्ण पर्यावासों पर नकारात्मक प्रभाव को नगण्य रखने पर विशेष ध्यान देना।

दिनांक: 28.03.2023

(आर. के. विश्नोई)
(अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक)

BIODIVERSITY POLICY STATEMENT

OUR AIM

- To address biodiversity concerns for sustainable development of clean power through competent, responsible and innovative values.
- To emphasize on protection of biodiversity by adopting best management practices in all its strategic business development activities.

OUR COMMITMENTS

- To proactively include biodiversity conservation as essential considerations in all business development and decision making processes.
- To take initiatives for environmental protection with special emphasis on conservation of indigenous species of flora and fauna.

OUR ENDEAVOUR

- To collaborate with stakeholders especially State Government departments for important conservation initiatives in and around area of operation.
- Projects/ Power stations/ will be encouraged to take up voluntary conservation initiatives beyond statutory requirement and obligation in all its present and prospective areas of operation in the larger interest of environment protection.
- To take special care to minimize impact on critical habitats located on proximity of its business operations.

Dated: 28.03.2023

(R. K. Bishnoi)
(Chairman & Managing Director)